an>

Title: Situation arising due to non-availability of medicines in the country.

श्री कृपाल बालाजी तुमाने (रामटेक) : महोदया, इंसान को अलग-अलग उम्र में अलग-अलग बीमारियां होती हैं, जिनके निवारण के लिए पेशेंट डाक्टर के पास जाता है। उसे लगता है कि हमारी बीमारी जल्दी से जल्दी ठीक हो लेकिन आज देश में देखा जा रहा है कि डाक्टर लोग कंटेंट न लिखते हुए, कम्पनियों का नाम लिख कर देते हैं। कम्पनी के नाम से दवाई काफी महंगी होती है। उदाहरण के तौर पर मैं एक दवाई का नाम बताना चाहता हूं जिसका कंटेंट एटेनोलोल है और अगर हम वही दवा हम अटेन कम्पनी की लेते हैं तो एक स्ट्रीप तीस रुपए दस पैसे की मिलती है और वही कंटेंट की दवा जिवलॉक कम्पनी की लेते हैं तो वह छह रुपए पच्चीस पैसे की मिलती है।...(व्यवधान) इसका मतलब एक कम्पनी उसी दवा का पांच सौ गुना ज्यादा लेती है।

मेरी आपके द्वारा सरकार से विनती है कि डाक्टर्स के लिए कम्पलशन करना चाहिए कि कम्पनी का नाम लिख कर देते हुए आरएक्स और कितने मिलीग्राम की दवाई लेनी है, यह लिखकर दें। धन्यवाद।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

डॉ. संजय जायसवाल और

श्री निशिकांत दुबे अपने आपको श्री कृपाल बालाजी तुमाने द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध करते हैं।

...(व्यवधान)